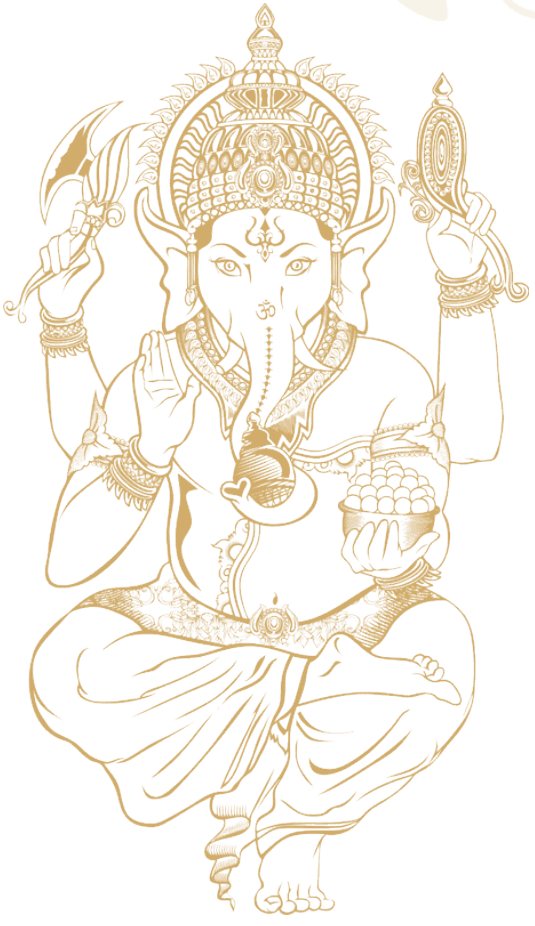

Binod Kumar

05 Apr 1976

11:30 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121571703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/04/1976**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:30:00 घंटे**
इष्ट	13:10:18 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:59:28 घंटे
वेलान्तर	-00:02:42 घंटे
साम्पातिक काल	23:54:08 घंटे
सूर्योदय	06:13:52 घंटे
सूर्यास्त	18:53:10 घंटे
दिनमान	12:39:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:03:18 मीन
लग्न के अंश	19:32:01 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:32:01	312:04:37	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			मीन	22:03:18	00:59:04	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			वृष	22:28:50	12:14:22	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	14:42:18	00:29:24	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
बुध		अ	मीन	25:49:11	02:04:38	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			मेष	08:45:15	00:14:06	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	02:37:26	01:13:57	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	उच्च राशि
शनि			कर्क	02:33:47	00:00:56	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु			तुला	19:11:36	00:01:51	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु			मेष	19:11:36	00:01:51	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		तुला	12:25:01	00:02:20	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
नेप	व		वृश्चि	20:19:50	00:00:39	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	16:40:08	00:01:40	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			मीन	04:52:20	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:43

लग्न-चलित

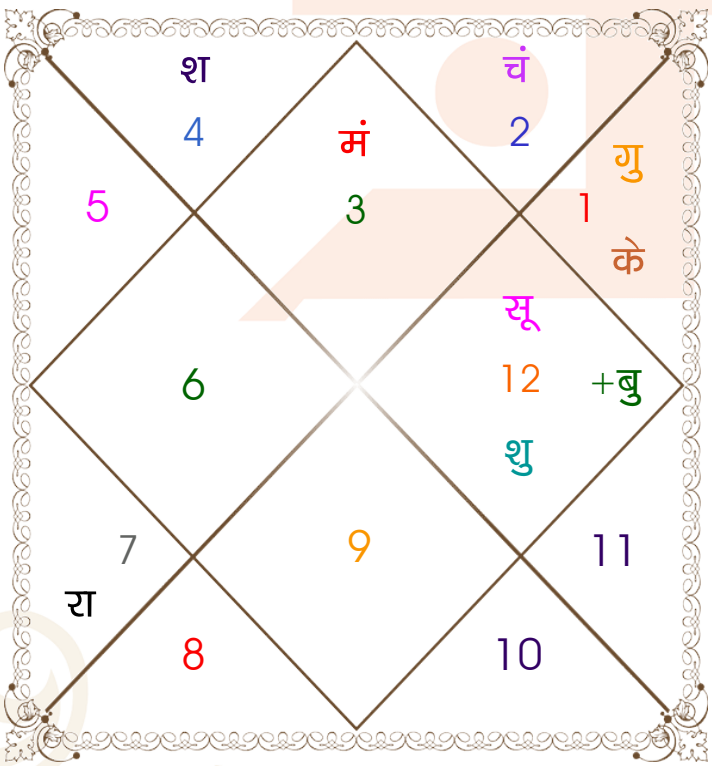

चन्द्र कुंडली

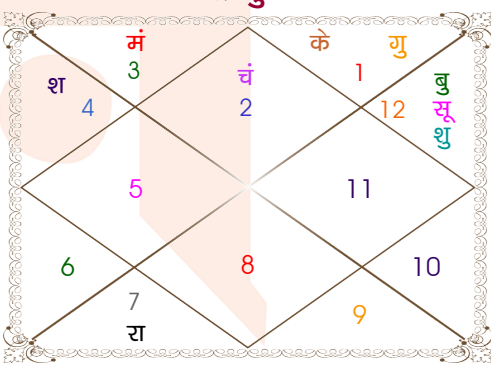

नवमांश कुंडली

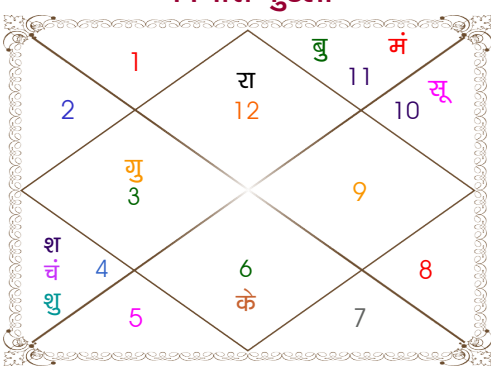

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 7 मास 20 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/04/1976		25/11/1976		25/11/1983		25/11/2001		25/11/2017	
25/11/1976		25/11/1983		25/11/2001		25/11/2017		25/11/2036	
	00/00/0000	मंगल	23/04/1977	राहु	08/08/1986	गुरु	13/01/2004	शनि	28/11/2020
	00/00/0000	राहु	11/05/1978	गुरु	31/12/1988	शनि	26/07/2006	बुध	08/08/2023
	00/00/0000	गुरु	17/04/1979	शनि	07/11/1991	बुध	31/10/2008	केतु	16/09/2024
	00/00/0000	शनि	26/05/1980	बुध	26/05/1994	केतु	07/10/2009	शुक्र	16/11/2027
	00/00/0000	बुध	23/05/1981	केतु	14/06/1995	शुक्र	07/06/2012	सूर्य	28/10/2028
	00/00/0000	केतु	19/10/1981	शुक्र	14/06/1998	सूर्य	26/03/2013	चंद्र	29/05/2030
	05/04/1976	शुक्र	19/12/1982	सूर्य	08/05/1999	चंद्र	26/07/2014	मंगल	08/07/2031
शुक्र	26/05/1976	सूर्य	26/04/1983	चंद्र	06/11/2000	मंगल	02/07/2015	राहु	14/05/2034
सूर्य	25/11/1976	चंद्र	25/11/1983	मंगल	25/11/2001	राहु	25/11/2017	गुरु	25/11/2036

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/11/2036		25/11/2053		25/11/2060		25/11/2080		25/11/2086	
25/11/2053		25/11/2060		25/11/2080		25/11/2086		00/00/0000	
बुध	23/04/2039	केतु	23/04/2054	शुक्र	26/03/2064	सूर्य	14/03/2081	चंद्र	25/09/2087
केतु	19/04/2040	शुक्र	23/06/2055	सूर्य	26/03/2065	चंद्र	13/09/2081	मंगल	26/04/2088
शुक्र	18/02/2043	सूर्य	29/10/2055	चंद्र	25/11/2066	मंगल	19/01/2082	राहु	25/10/2089
सूर्य	26/12/2043	चंद्र	29/05/2056	मंगल	25/01/2068	राहु	13/12/2082	गुरु	24/02/2091
चंद्र	26/05/2045	मंगल	25/10/2056	राहु	25/01/2071	गुरु	02/10/2083	शनि	25/09/2092
मंगल	23/05/2046	राहु	13/11/2057	गुरु	25/09/2073	शनि	13/09/2084	बुध	24/02/2094
राहु	10/12/2048	गुरु	20/10/2058	शनि	25/11/2076	बुध	20/07/2085	केतु	25/09/2094
गुरु	18/03/2051	शनि	28/11/2059	बुध	25/09/2079	केतु	25/11/2085	शुक्र	05/04/2096
शनि	25/11/2053	बुध	25/11/2060	केतु	25/11/2080	शुक्र	25/11/2086		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 7 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।